

प्रेषक,

राधिका झा,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,
दून विश्वविद्यालय, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून,

दिनांक: 19 जनवरी, 2015

विषय: वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष (Plan) के अन्तर्गत बचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्रांक- 253/94(2)/एफसी-डीयू/2014 दिनांक 05.12.2014 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा शासनादेश संख्या 635/XXVI(6)/2014-32(4)12 दिनांक: 21 अप्रैल, 2014 द्वारा ₹0 300.00 लाख (तीन करोड़ मात्र) का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराते हुए अवशेष धनराशि ₹0 200.00 लाख (दो करोड़ मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में दून विश्वविद्यालय हेतु आयोजनागत पक्ष (Plan) में मानक मद-43 वेतन भत्ते आदि वचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि ₹0 5000 हजार (अर्थात् पाँच करोड़ मात्र) में से शासनादेश संख्या-635/XXIV(6)/2014 दिनांक 32.04.2012 दिनांक 21 अप्रैल, 2014 द्वारा ₹0 300.00 लाख की धनराशि निर्गत की जा चुकी है। विश्वविद्यालय के प्रस्तावानुसार द्वितीय एवं अन्तिम किस्त के रूप में ₹0 200.00 लाख (दो करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) स्वीकृत वेतनमद की धनराशि व्यय करते समय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-: 318/XXVII(1)/2014 दिनांक: 18 मार्च, 2014 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का तथा तदक्रम में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) स्वीकृत की गयी धनराशि उपनिर्देशक उच्च शिक्षा, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा यथा आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किस्तों में किया जायेगा।
- (3) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों व स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (4) व्यय की सूचना निर्धारित बजट मैनुअल के प्रपत्रानुसार प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध करा दी जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- (5) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा स्वीकृत धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा जबकि गत वित्तीय वर्ष/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपभोग कर लिया गया हो तथा कोई भी धनराशि अवशेष न हो।
- (6) स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल वेतन, मंहगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते जो वेतन के साथ अनुमन्य हो, हेतु ही भुगतान किया जायेगा। अन्य मदों में व्यय हेतु फांट स्वीकृत हो जाने के उपरान्त ही व्यय किया जायेगा। अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा।

(1) स्वीकृत वेतनमद की धनराशि व्यय करते समय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-: 318/XXVII(1)/2014 दिनांक: 18 मार्च, 2014 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का तथा तदक्रम में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(2) स्वीकृत की गयी धनराशि उपनिर्देशक उच्च शिक्षा, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा यथा आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किस्तों में किया जायेगा।

(3) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों व स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

कमश:2

- (7) जिन कर्मियों ने राजकीय दर पर पेंशन का विकल्प दिया है, उनके जीपीएफ की धनराशि उनके वेतन से काटकर राजकीय कोषागार में नियमित रूप से जमा कराया जाये, उसे अन्यत्र जमा न किया जाये।
- (8) इस अनुदान का उपयोग अनुमोदित पदों, मर्दों पर ही किया जायेगा। अस्थायी रूप से इसका कोई भी भाग अन्य अनानुदानित पदों, अवकाश नगदीकरण, चिकित्सा भत्ता, सवारी भत्ता, मानदेय कार्यों आदि पर व्यय नहीं किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्ययार्तन किसी भी दशा में मान्य नहीं होगा।
- (9) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के लिए शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा।
- (10) स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 में निहित प्राविधानानुसार तथा साफ्टवेयर के माध्यम से निर्गत विशिष्ट एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या- (प्रति संलग्न) द्वारा निर्गत किये जा रहे हैं।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनागत-05-दून विश्वविद्यालय-00-43-वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान की सुसंगत इकाई के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक यथोपरि

(9) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के लिए शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा।

पृष्ठांक संख्या 156/XXIV(6)/2015-32(4)/12 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, देहरादून।
2. कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. उपनिदेशक, उच्च शिक्षा/शिविरा कार्यालय, देहरादून।
5. कोषाधिकारी, देहरादून।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. राजकीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि

संलग्नक यथोपरि